मन्सा सेवा - 61

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ इस वर्ष में और क्या करेंगे? बापदादा ने एक रिजल्ट सभी बच्चों की देखी। सिर्फ यहाँ वालों की नहीं, चारों ओर के बच्चों की एक बात की रिजल्ट देखी, वह कौन सी बात? **जमा का खाता किसने कितना जमा किया है? चाहे मन्सा में, चाहे वाचा से, चाहे कर्मणा से, चाहे सम्बन्ध-सम्पर्क से - आप सभी का चैलेन्ज है, अपने को ही नहीं लेकिन विश्व के आगे बोलते हो कि एक जन्म में 21 जन्म का जमा करना है।**

➳ _ ➳ यह बोलते हो ना! जानते हो ना? तो एक जन्म में 21 जन्मों का जमा करना है तो कितना करना पड़े? **अभी मन्सा में जो जमा करते हो उससे एक तो आधाकल्प आपको मन्सा से वृत्तिया वायब्रेशन फैलाने की आवश्यकता नहीं है, 21 जन्म यह पुरूषार्थ करने की आवश्यकता नहीं है और दूसरा द्वापर से लेकर जो आपके चित्र भिन्न-भिन्न रूप में पूजे जाते हैं, आपको पता नहीं है कि हम किस रूप में पूजे जाते हैं लेकिन पूज्य तो हो ना!**

➳ _ ➳ **33 करोड़ देवताओं की मान्यता है तो आधाकल्प माननीय और पूज्यनीय बनते हो। उन जड़ चित्रों द्वारा भी आपकी मन्सा सेवा आटोमेटिक होती रहेगी। कोई भी भगत आपके जड़ चित्र के सामने आयेंगे तो उनको मन्सा वायब्रेशन से शान्ति, खुशी, शक्ति की अनुभूतिहोगी, यह मन्सा के जमा का प्रभाव होगा। (31/12/1996)**

➢ **मन में हमे क्या जमा करना है ?**

➳ _ ➳ **शुद्ध संकल्प**

→ शुद्ध संकल्पों को थोडा थोडा करके जमा करना है

→ तो बहुत सारे संकल्प पुरे दिन के लिये जमा हो जायेंगे

- शुद्ध संकल्प हमे बहुत जगह से मिल सकते है
  - चाहे किसी के मुख से,
  - चाहे योग में
  - चाहे बाबा के कमरे में बैठे हुए अचानक आ जाते है
  - चाहे अमृतवेले
  - चाहे कोई क्लास सुनते हुये
- उन शुद्ध संकल्पों को पकड़ लेना है
- और अपने पास जमा कर लेना है, नॉट कर लेना है
- और बाद में उसको रीवाईज करते रहना चाहिये
- ताकि वो संकल्प हमारा हो जाय

➳ _ ➳ **शुभ भावनाओं**

→ हर आत्मा के लिये मन में थोड़ी बहुत तो शुभ भावना रहती ही है

- पहले तो जो हमारे बाजु में जो बैठा है उसके लिये
- फिर हमारे घर के लोगो के लिये
- फिट सेण्टर के भाई बहनों के लिये
- फिर मधुबन के परिवार वालो के लिये
- फिर ऑफिस में साथ में काम करने वाली आत्माओ के प्रति
  - ▶ थोड़ी थोड़ी शुभ भावना एक एक आत्मा के लिये जमा करनी है

➳_ ➳ **शक्तिया**

→ मन में शक्तियों को जमा करना है

- रोज थोडा थोडा सहन करना है
  - ▶ तो सहन शक्ति जमा होगी
- थोडा थोडा दुसरो की खामियों को समायेंगे
- थोडा थोडा रोज सामना करेंगे परिस्थियों का
  - ▶ तो फिर आदत हो जाएगी
  - ▶ तो बड़ी परिस्थिति में सामना करना इतना कठिन नहीं लगेगा
- रोज थोडा थोडा स्वयं को समेटेंगे / संकीर्ण करेंगे
- थोडा थोडा सहयोग देंगे
  - ▶ तो फिर सहयोग देने की आदत पड जाएगी
- थोडा थोडा स्वयं को परखेंगे
  - ▶ तो फिर शक्तिया जमा होगी
- थोडा थोडा सत्य बोलेंगे
  - ▶ तो फिर सत्यता की शक्ति जमा होगी

→ **परमात्मा तालाब बूंद बूंद से भरेगा**

- थोडा थोडा थोडा जमा करना है
  - ▶ तो फिर बूंद बूंद से तालाब स्वतः भर जायेगा

➳_ ➳ **कल्पना**

→ थोडा थोडा VISUALIZATION / IMAGINATION जमा करना है

➳_ ➳ **दुआओ**

→ थोड़ी थोड़ी मदद करके

→ थोड़ी थोड़ी सेवा करके

→ थोडा थोडा सहयोग करके

- आत्माओ की थोड़ी थोड़ी दुआये जमा करनी है

➳_ ➳ **गुणों**

→ अपने आपको देखना है, की मुजमें किस गुण के अनुभव की कमी है

- और फिर अटेंशन देके उसको बढ़ाना है
  - जब ऐसे गुणों के अनुभवी हो जाओगे
  - तो फिर माया हिला नहीं सकेगी
  - और स्थिति एकरस हो जाएगी
  - विग्न और समस्या वार नही करेगी, खेल लगेगा

➳_ ➳ **श्रेष्ठ कर्म का खाता**

➳_ ➳ **शुद्ध वृति का खाता**

➳_ ➳ **पूण्य कर्मो का खाता**

➳_ ➳ **द्रष्टि का खाता**

→ हमारी द्रष्टि हमे

- शुद्ध
- श्रेष्ठ
- पवित्र रखनी है
  - किसी को भी देखो तो, उसके रियल अनादी और आदि स्वरुप को ही देखना है
  - उनके वर्तमान स्वरुप को नहीं देखना है

➳_ ➳ **समय का खाता**

→ थोडा थोडा समय को जमा करते रहना है

- एक एक मिनिट को
- एक एक सेकंड को
  - रोज थोडा थोडा जमा करते रहना है
  - रोज अपने समय के एकाउंट्स को चेक करना है की,
    - उसमे 86400 सेकंड्स है, जिसे हमे सफल करना है
    - समय तेज भाग रहा है
    - उसमे एक एक दिन महत्वपूर्ण है
    - इसलिए समय की बचत करनी है

➳_ ➳ **बोल का खाता**

→ शब्दों के खाते को जमा करना है

- व्यर्थ फालतू का शब्द बिलकुल भी
  - हमारे मुख से नहीं निकलना चाहिये

➳_ ➳ **अनुभवों का खाता**

→ थोड़े थोड़े अनुभवों को बढ़ाते जाना है

- प्रभु प्रेम के अनुभव

- परमात्मा मदद के अनुभव
- परमात्मा साथ के अनुभव
  - इन अनुभवों को बढ़ाते जाना है, और जमा करना है

➳_ ➳ **जितना हमने अपने अंदर ख़ुशी को / शांति को / सुख को / प्रेम को / आनंद को / ज्ञान को जितना यहा जमा किया होगा**

→ **उतना कलयुग अंत तक इन खजानों की हमे कमी नहीं होगी**